Rhymes & बालगीत

By : Aradhya Gupta

C

Bubbles

Fill the pipe!
Gently blow;
Now you will see,
The bubbles grow.
Strong at first,
Then they burst.
Oops!! Oops!! Oops!!

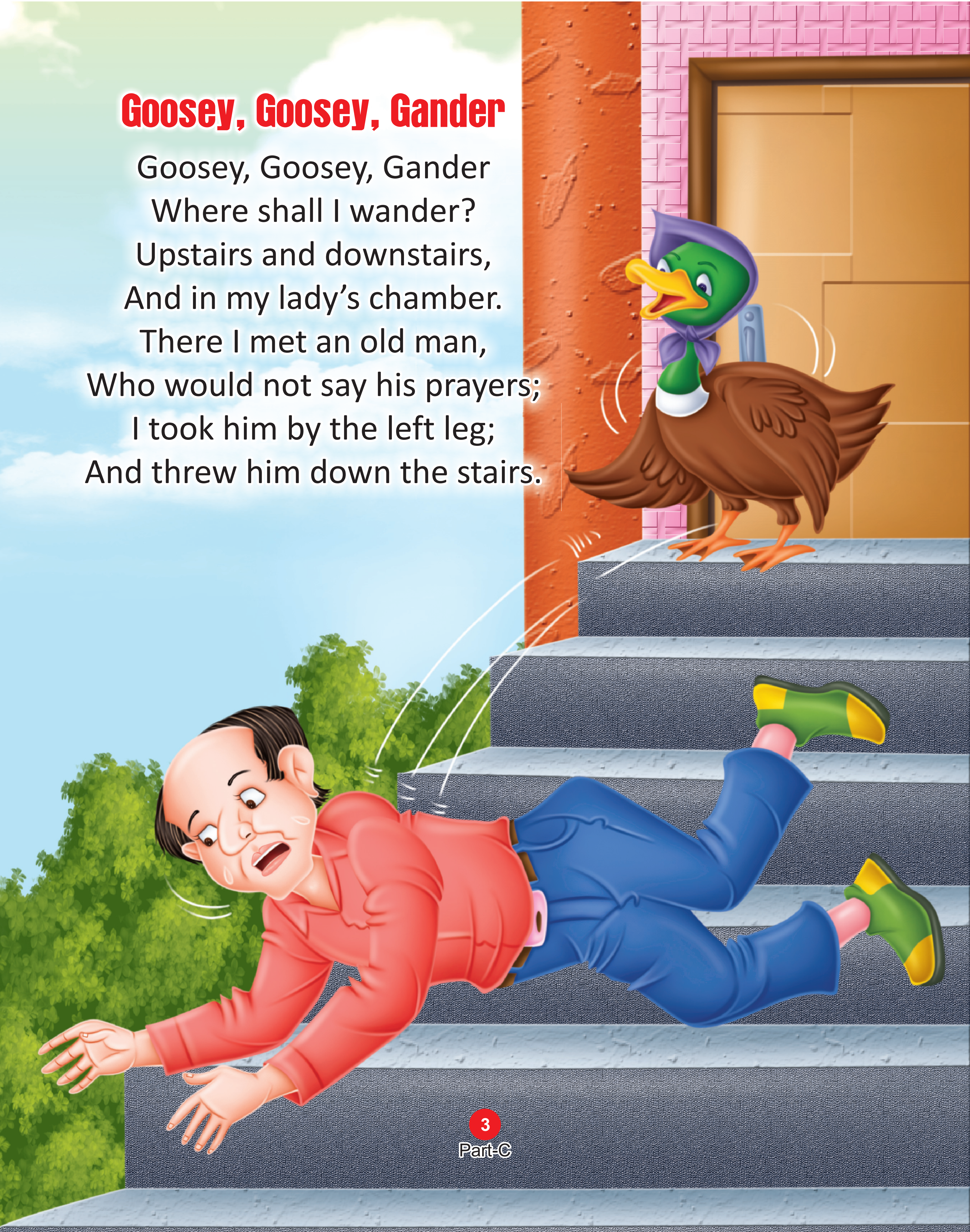

Goosey, Goosey, Gander

Goosey, Goosey, Gander
Where shall I wander?
Upstairs and downstairs,
And in my lady's chamber.
There I met an old man,
Who would not say his prayers;
I took him by the left leg;
And threw him down the stairs.

Hop A Little

Hop a little, jump a little,
one, two, three;
Run a little, skip a little,
tap, tap one knee;
Bend a little, stretch a little,
nod your head;
Yawn a little, sleep a little,
in your bed.

Itsy Bitsy Spider

Itsy Bitsy Spider,
Climbed up the spout.
Down came the rain,
And washed the spider out.
Out came the sunshine,
And dried up all the rain.
So the Itsy Bitsy Spider,
Climbed up the spout again.

Little Bird.....

Once I saw a little bird,
Come hop, hop, hop.
So I cried, "Little bird,
Will you stop, stop, stop?"
I was going to the park,
To say, "How do you do?"
But he shook his little tail,
And far away he flew.

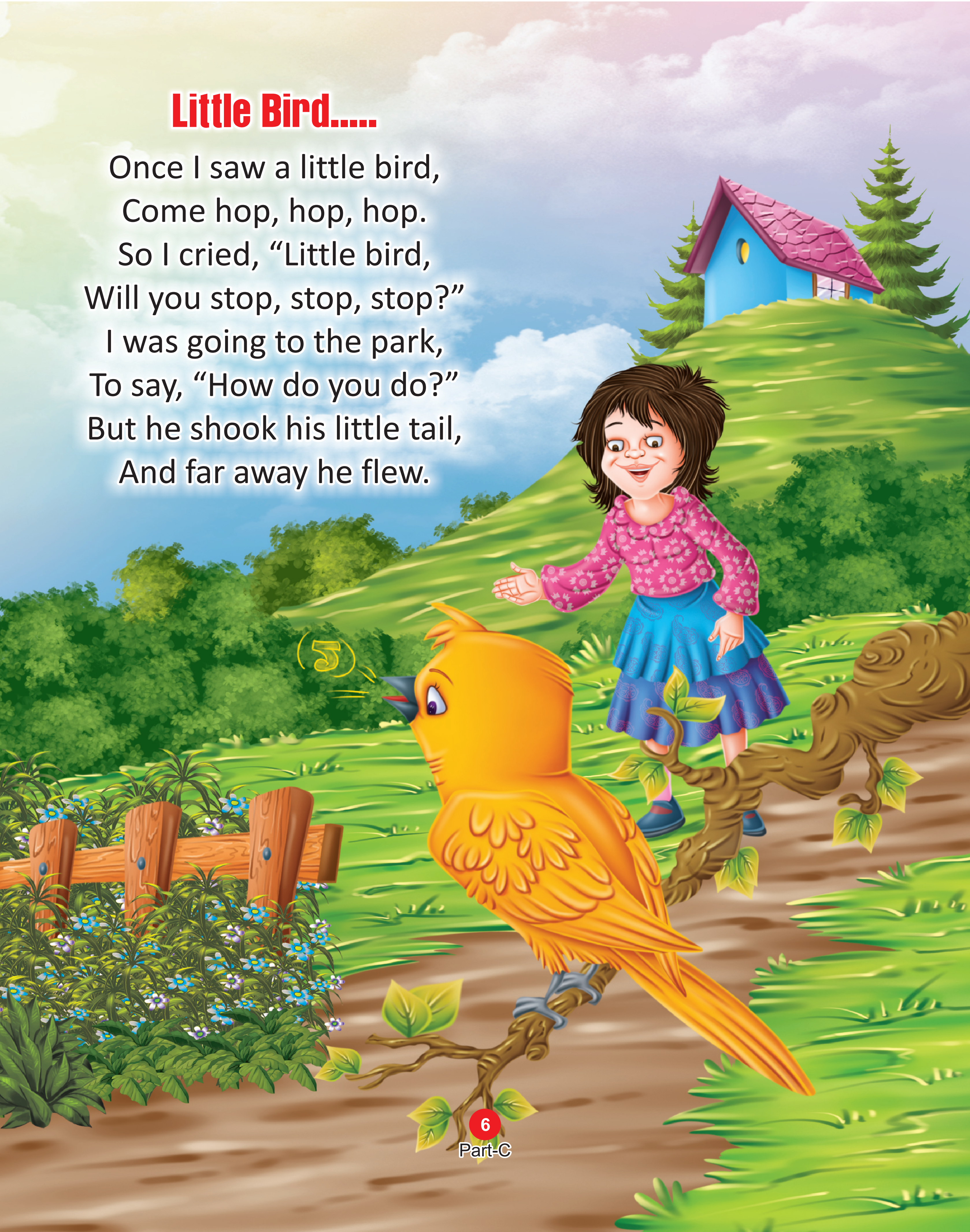

Traffic Lights

Red Light, Red Light,
What do you say?
I say Stop, Stop right away.
Yellow Light, Yellow Light,
What do you say?
I say Wait, Wait right away.
Green Light, Green Light,
What do you say?
I say Go, Go right away.

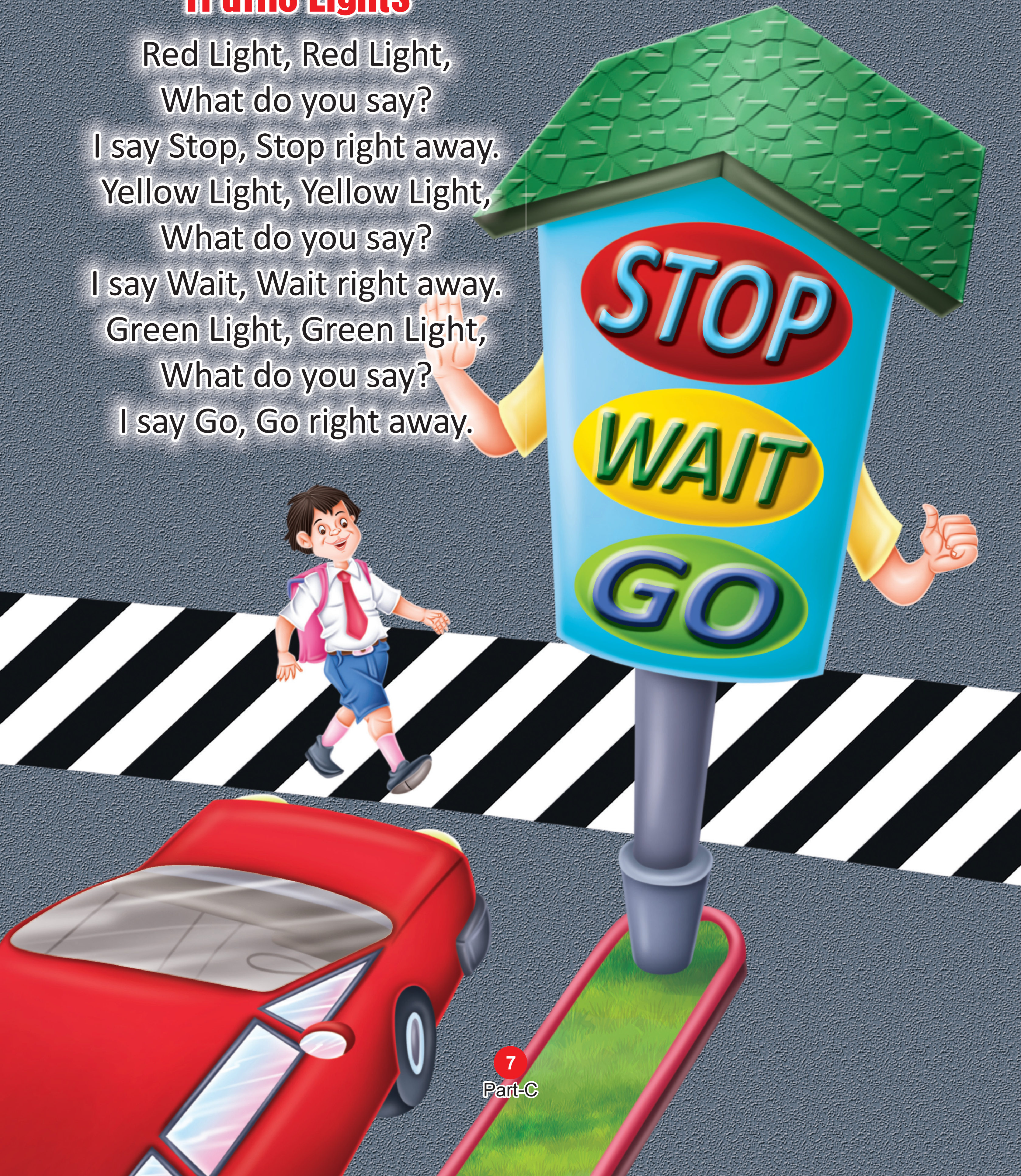

Teddy Bear, Teddy Bear

Teddy bear, Teddy bear,
Turn around;
Teddy bear, Teddy bear,
Touch the ground.
Teddy bear, Teddy bear,
Polish your shoes;
Teddy bear, Teddy bear,
Off to school.

One Thing At A Time

Work while you work,
Play while you play;
To be useful and happy,
That is the way.
All that you do,
Do with your might;
Things done by halves,
Are never done right.
One thing at a time,
And that done well;
Is a very good rule,
As many can tell.

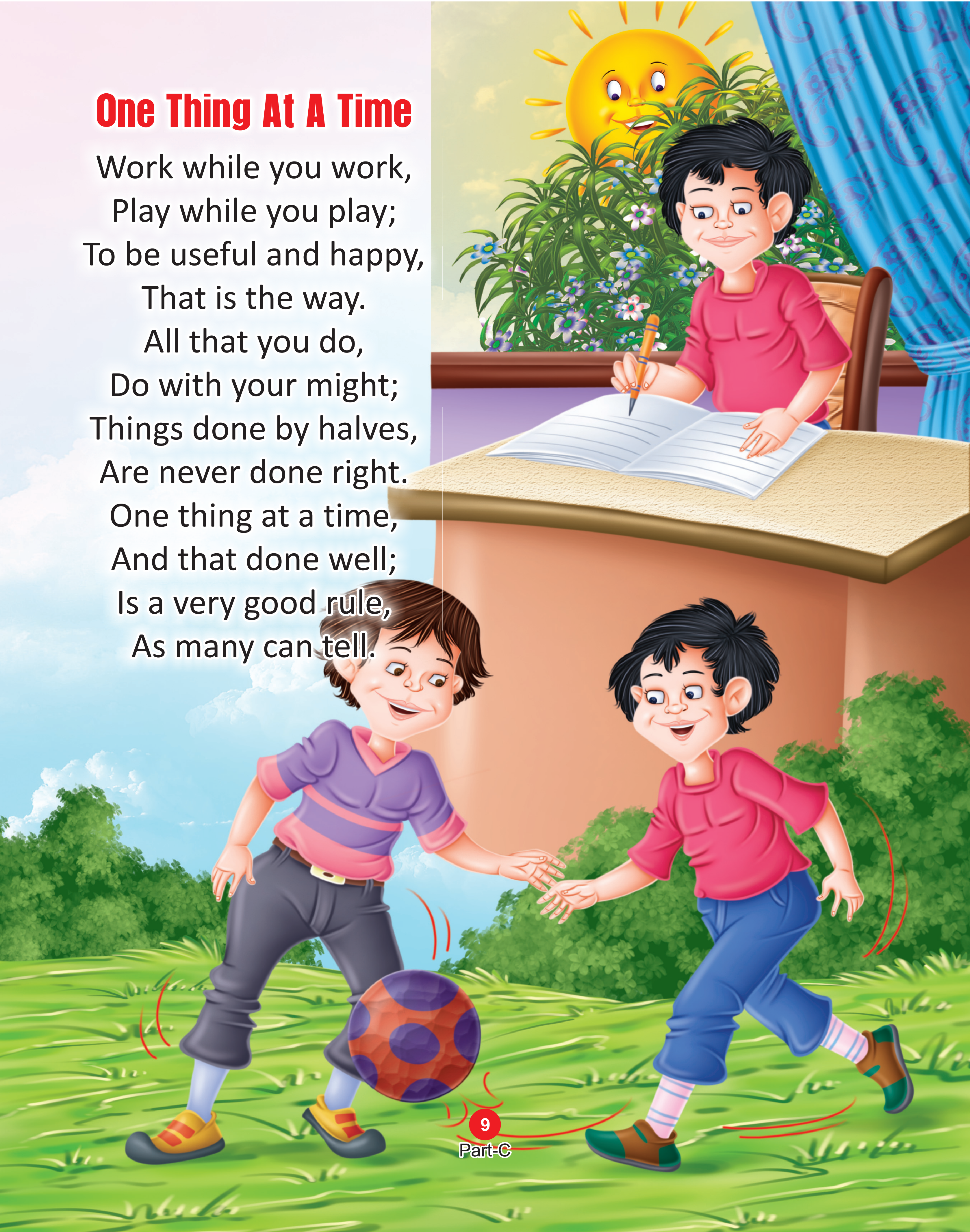

The Rainbow

There is a rainbow in the sky,
Do you know how it came by?
Drops of water through sunlight,
Gave the sky this pretty sight.
Seven colours can be seen,
Red, yellow, a lovely green,
Violet, indigo and blue,
There is orange in it too.

One, Two, Buckle My Shoe

One, two,
Buckle my shoe;
Three, four,
Shut the door;
Five, six,
Pick up sticks;
Seven, eight,
Lay them straight;
Nine, ten,
A big fat hen.

My Kite

Flip, flap! Flip, flap!
Rises my kite,
Up and up in the sky,
That is so blue and bright.
Flip, flap! Flip, flap!
Goes my kite,
Sometimes to my left,
And sometimes to my right.
Flip, flap! Flip, flap!
Flies my kite,
High and high above,
It fills me with delight.

There Was An Old Woman

There was an old woman,
Who lived in a shoe;
She had so many children,
She didn't know what to do.
She gave them some broth,
Without any bread;
Then whipped them soundly,
And put them to bed.
If she had just two,
She could make them a stew,
And send them to school,
In pretty jackets of blue.

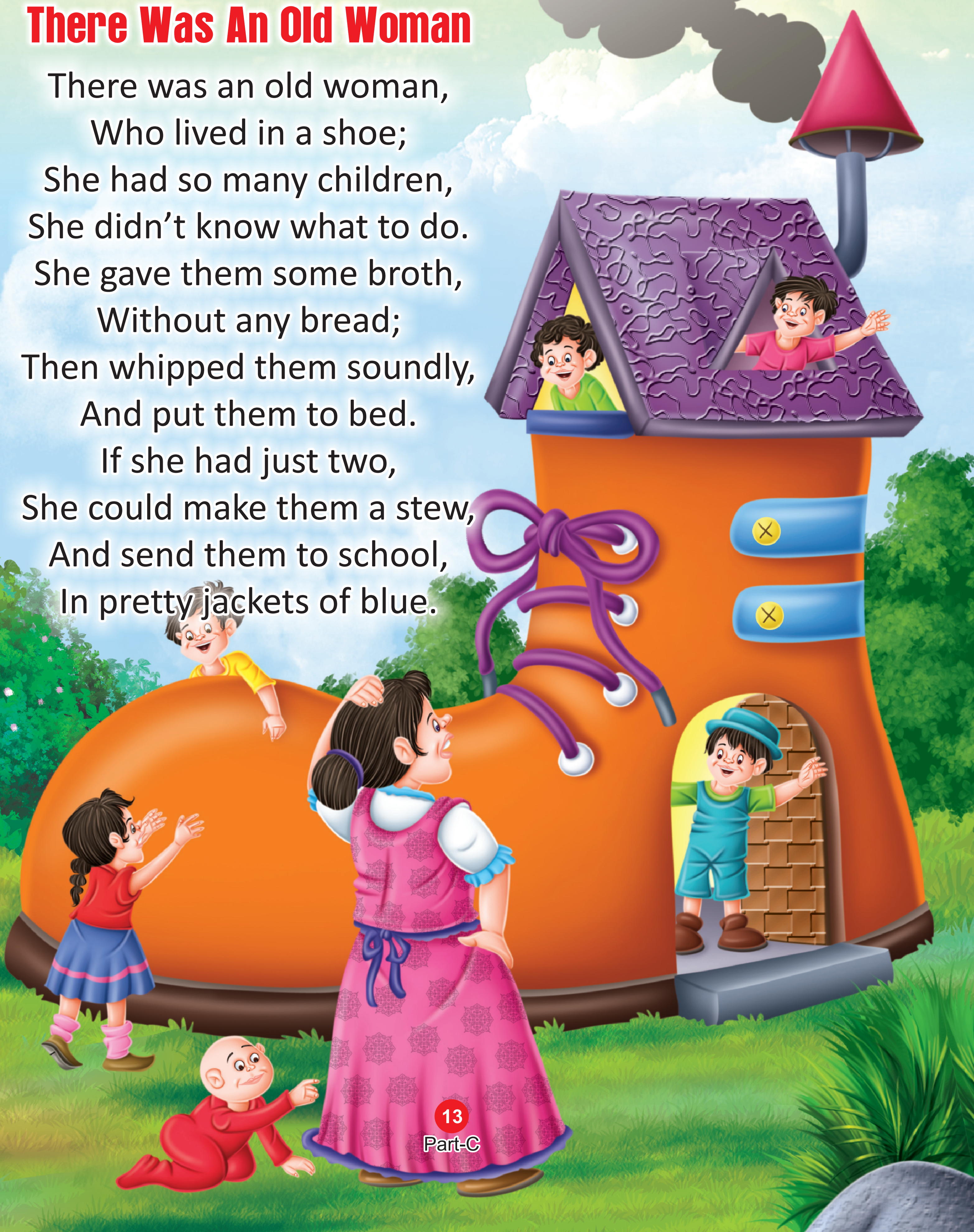

My Red Balloon

My red balloon,
My red balloon,
Flies up, up to the sky.
I jumped up high,
To reach the sky,
But could not reach it; why?
My red balloon,
My red balloon,
Flies up, up to the sky.

After A Bath

After a bath I try, try, try.
To wipe myself till
I am dry, dry, dry.
Hands to wipe, fingers and toes.
Two wet legs and shining nose.

Two Little Dicky Birds

Two little dicky birds
Sat upon a wall;
One named Peter,
The other named Paul;
Fly away, Peter!
Fly away, Paul!
Come back, Peter!
Come back, Paul!

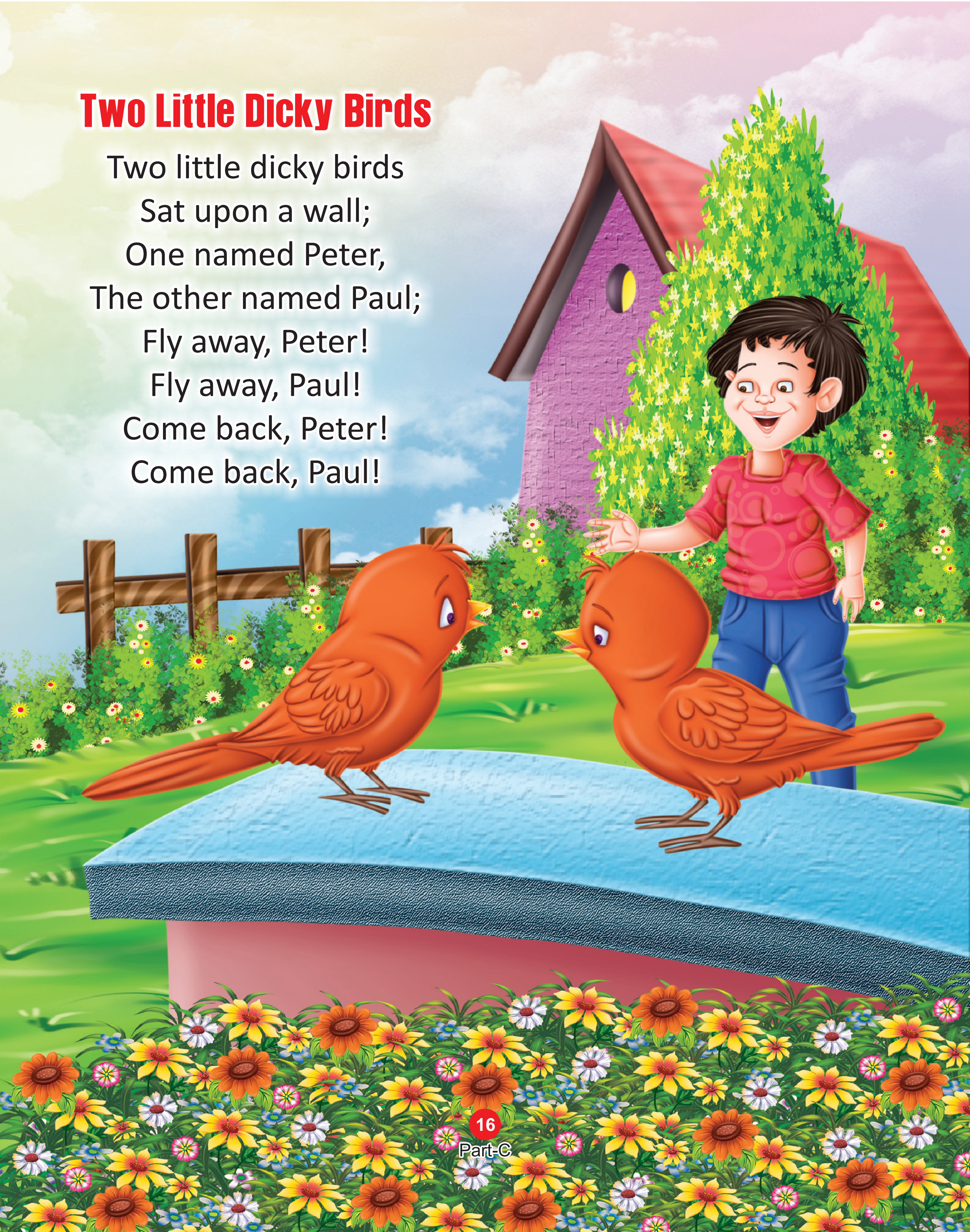

मेरा भारत

भारत मेरा प्यारा देश,
सब देशों से न्यारा देश।
हिंदू-मुस्लिम, भाई-भाई,
मिलकर रहते सिक्ख-ईसाई।
इसकी धरती उगले सोना,
ऊँचा हिमगिरि बड़ा सलोना।
सागर धोता इसके पाँव,
हैं अलबेले इसके गाँव।

चूहा-बिल्ली

बिल्ली बोली– म्याऊँ-म्याऊँ,
चूहा बोला– जाऊँ-जाऊँ।
बिल्ली बोली– अभी न जा,
ले मुझसे तू टॉफी खा।
चूहा बोला– माफ करो,
पहले दिल को साफ करो।
टॉफी दे बहकाओगी,
फिर मुझको खा जाओगी।

टिम-टिम तारे

टिम-टिम करते आसमान में,
कितने-सारे तारे हैं।
इनको देखो तो लगता है,
जग में सबसे न्यारे हैं।
नीले-पीले कुछ चमकीले,
ये तो प्यारे-प्यारे हैं।
इनकी गिनती करूँ मैं कैसे,
ये तो कितने-सारे हैं।

हँसकर बोलो

जब बोलो, तब हँसकर बोलो,
बातों में मिसरी-सी घोलो।
जब बोलो, तब सच-सच बोलो,
कभी न बातें रच-रच बोलो।
जब बोलो, तब झुककर बोलो,
सोच-समझकर रुककर बोलो।
अपने मन की बातें खोलो,
जब बोलो, तब हँसकर बोलो।

लाल टमाटर

गोल-गोल ये लाल टमाटर,
होते जिससे गाल टमाटर।
खून बढ़ाता लाल टमाटर,
फुर्ती लाता लाल टमाटर।
स्वस्थ बनाता लाल टमाटर,
मस्त बनाता लाल टमाटर।
हम खायेंगे लाल टमाटर,
बन जायेंगे गाल टमाटर।

अगर पेड़ भी चलते होते

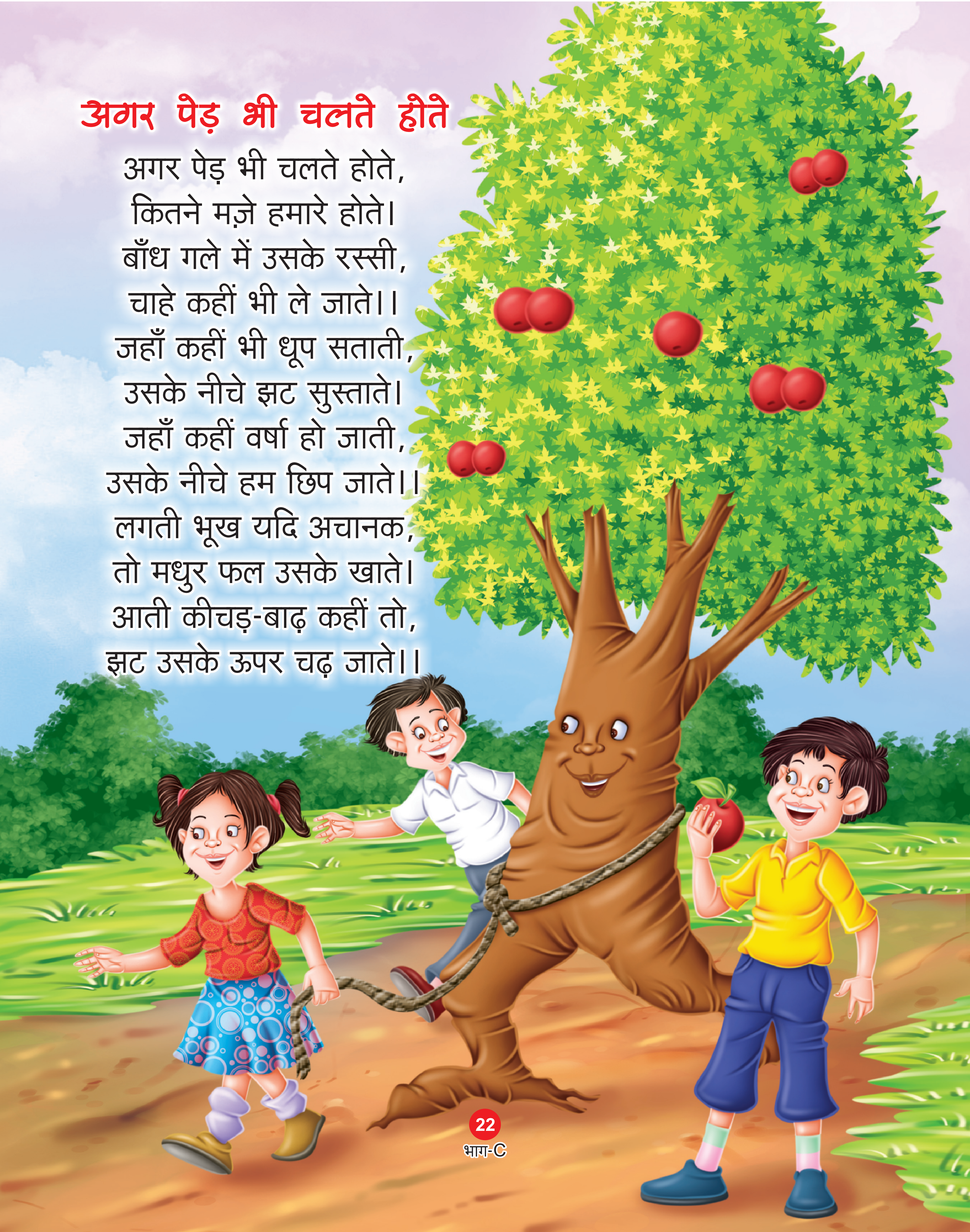

अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मज़े हमारे होते।
बाँध गले में उसके रस्सी,
चाहे कहीं भी ले जाते।।
जहाँ कहीं भी धूप सताती,
उसके नीचे झट सुस्ताते।
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती,
उसके नीचे हम छिप जाते।।
लगती भूख यदि अचानक,
तो मधुर फल उसके खाते।
आती कीचड़-बाढ़ कहीं तो,
झट उसके ऊपर चढ़ जाते।।

नाव हमारी

जल्दी-जल्दी दौड़े आओ,
रंग-बिरंगे कागज़ लाओ।
सुंदर-सी एक नाव बनाकर,
मिल-जुलकर उसको तैराओ।
खूब तेज चलती यह नाव,
कभी न थकती अपनी नाव।
आगे-आगे बढ़ती जाती,
पार हमें ले जाती नाव।

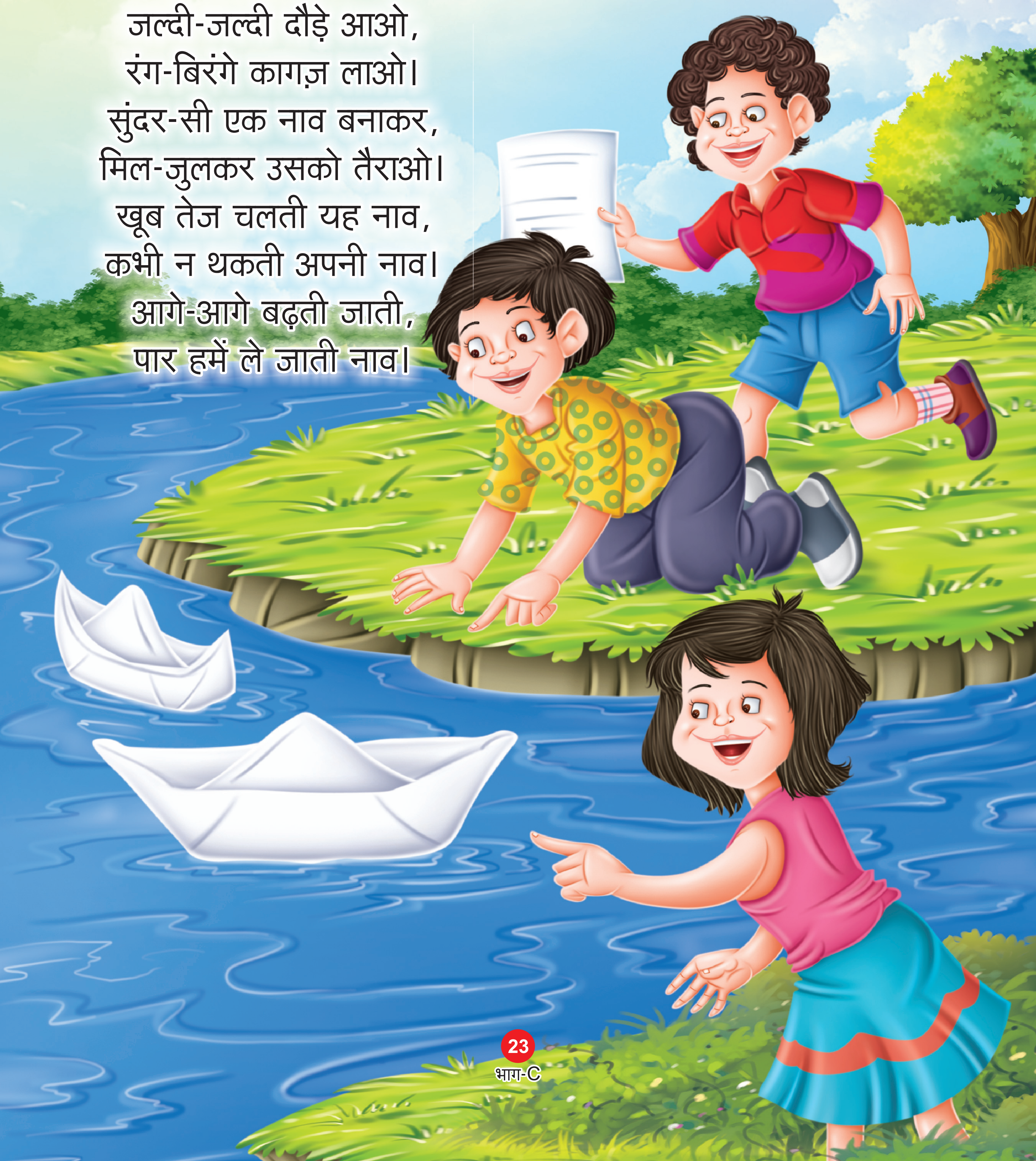

छतरी

छतरी कड़ी धूप में अकसर,
लोगों की रक्षा करती।
स्वयं भीगकर हमें बचाती,
किंतु नहीं बारिश से डरती।
दादाजी की लाठी छतरी,
दादी के भी आती काम।
छत की कमी दूर कर देती,
इसीलिए है छतरी नाम।

मेरी कैप

मम्मी के बुंदे सुंदर हैं,
पापा की टाई है अच्छी।
मेरी कैप निराली सबसे,
कहता हूँ सच्ची-सच्ची।
पहने अपनी कैप पार्क में,
क्रिकेट खेलने जाता जब।
सचिन आ गया, सचिन आ गया,
शोर मचाते बच्चे सब।

चंदा मामा

चंदा मामा ठहरो थोड़ा,
कहाँ चले तुम जाते हो?
खेल रहे क्या आँख-मिचौली,
बादल में छिप जाते हो।
मुझे बुला लो मैं देखूँगा,
कितने हो छिपने में तेज।
नहीं पकड़ पाओगे मुझको,
मैं दौड़ूँगा तुमसे तेज।

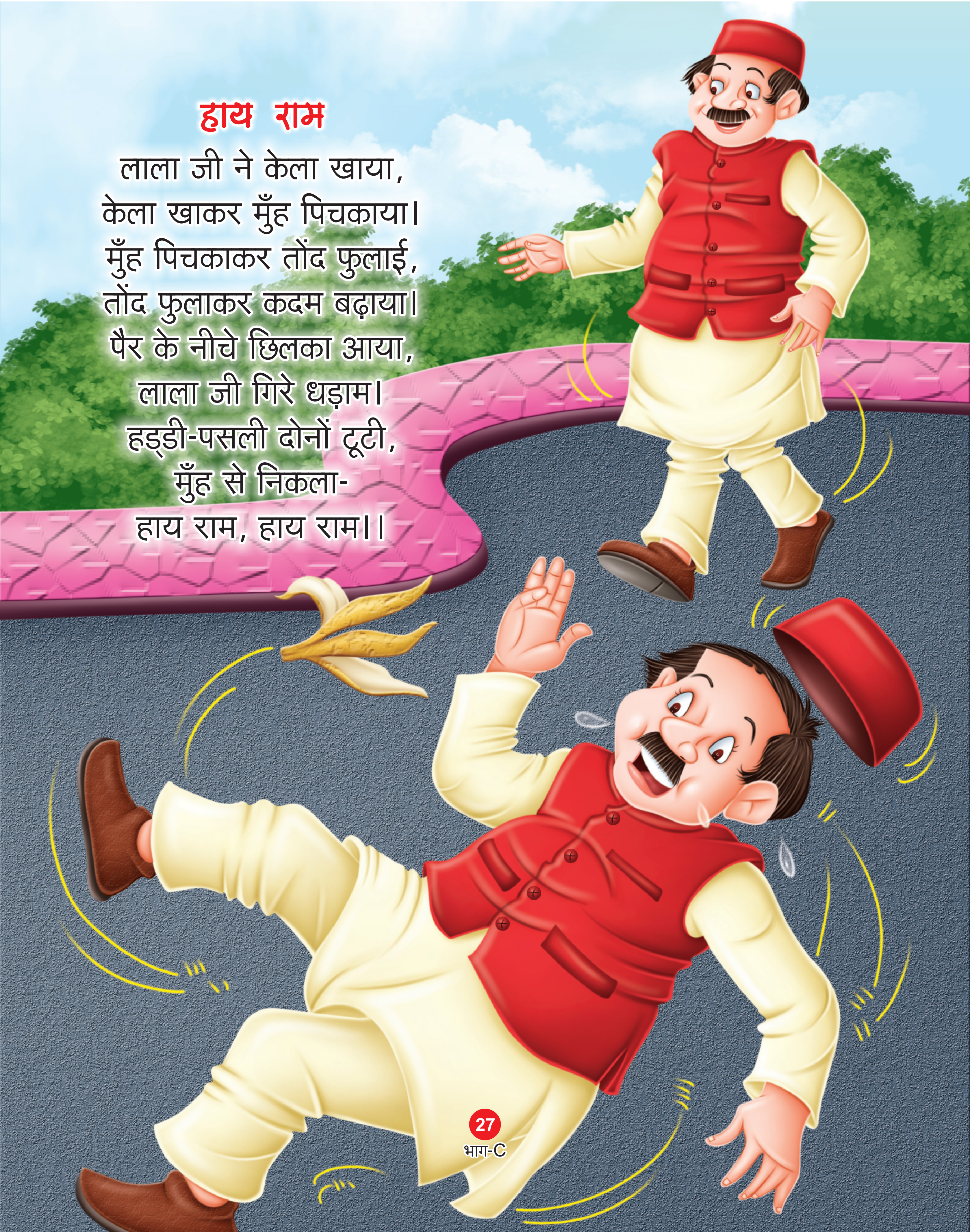

हाय राम

लाला जी ने केला खाया,
केला खाकर मुँह पिचकाया।
मुँह पिचकाकर तोंद फुलाई,
तोंद फुलाकर कदम बढ़ाया।
पैर के नीचे छिलका आया,
लाला जी गिरे धड़ाम।
हड्डी-पसली दोनों टूटी,
मुँह से निकला-
हाय राम, हाय राम।।

होली

होली आई, होली आई,
मौसम रंग-बिरंगा लाई।
रंग, गुलाल और पिचकारी,
बच्चे लाये प्यारी-प्यारी।
गली-गली होलिका जले,
बिछुड़े साथी गले मिले।
अच्छाई से मिटी बुराई,
होली आई, होली आई।

जल की बूँदें

नन्हीं-नन्हीं जल की बूँदें,
बरसातों में खेलें-कूदें।
ऊपर से गिरकर मिट जाएँ,
हम बच्चों का दिल बहलाएँ।
सारी मिल पानी बन जाएँ,
तब मानव की प्यास बुझाएँ।
पानी को हम चलो बचाएँ,
बिना वजह न इसे गिराएँ।

चिड़िया

चिड़िया आँगन में मेरे,
परियों के गीत सुनाती है।
दाना, चुग्गा चुन-चुनके,
वो फुदक-फुदक के गाती है।
नन्हे-नन्हे पंखों से,
कितना आकाश वो उड़ती है।
मुझको आगे बढ़ने की,
प्रेरणा सदा वो देती है।

बगिया में हैं कितने फूल

बेला, जूही, चमेली, चम्पा,
गेंदा, सूरजमुखी, गुलाब।
कमल ताल में ही खिलता है,
जिसका कोई नहीं जवाब।
फूलों से बनती मालाएँ,
फूलों से होता सिंगार।
फूल यही पूजा में चढ़ते,
फूलों से है सबको प्यार।
ऐसे ही हम बच्चे भी हैं,
भारत की बगिया के फूल।

गर्मी

गर्मी के दिन आते हैं,
हमको बहुत सताते हैं।
कहाँ खेलने जायें हम?
तेज धूप में निकले दम।
खेल का मैदान गरम,
लू को आती नहीं शरम।
कहीं चैन न पाते हैं,
मन ही मन झुँझलाते हैं।